SHODH SAMAGAM

ISSN : 2581-6918 (Online), 2582-1792 (PRINT)

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि पर बालिका शिक्षा प्रोत्साहन योजनाओं के प्रभाव का अध्ययनः ग्वालियर जिले के समस्त विकासखंडों के संदर्भ में

कल्पना कुशवाह, पी–एचडी., मार्गदर्शिका, शिक्षा शास्त्र विभाग
आई. पी. एस. कॉलेज, ग्वालियर, मध्यप्रदेश, भारत
विनीता मित्तल, शोधार्थी, शिक्षा शास्त्र विभाग
जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्यप्रदेश, भारत

ORIGINAL ARTICLE

Authors

कल्पना कुशवाह, पी–एचडी.
विनीता मित्तल, शोधार्थी

E-mail : kalpanakushwah@yahoo.com

shodhsamagam1@gmail.com

Received on : 12/08/2025
Revised on : 09/10/2025
Accepted on : 18/10/2025
Overall Similarity : 00% on 10/10/2025

शोध सार

राज्य स्तर पर संचालित म.प्र. शासन की बालिका शिक्षा प्रोत्साहन योजनाओं ने प्रदेश की बालिकाओं की शिक्षा में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। इससे बालिकाओं की विद्यालय में नामांकन दर व उपस्थिति दर पर बढ़ोतरी और उनकी शाला त्यागी प्रवृति/ड्रापआउट में कमी आई है। इन योजनाओं का आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की बालिकाओं को इसका विशिष्ट लाभ मिला है। यह योजना शिक्षा के सार्वभौमिकरण की दिशा में एक प्रभावी कदम है। वर्तमान शोधकार्य का उद्देश्य ग्वालियर जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों की शासकीय माध्यमिक विद्यालयों की कक्षा 8 वीं में अध्ययनरत बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि पर बालिका शिक्षा प्रोत्साहन योजनाओं के प्रभाव का अध्ययन करना था। प्रस्तुत शोध में मुख्यतः मध्य प्रदेश राज्य शासन की महत्वपूर्ण एवं लोकव्यापी योजनाओं "निःशुल्क पाठ्यपुस्तक और निःशुल्क गणवेश वितरण योजना" को प्रमुख आधार बनाया गया था। वर्तमान शोध वर्णनात्मक स्वरूप का था। न्यादर्श के रूप में शहरी क्षेत्र से 187 तथा ग्रामीण क्षेत्र से 190, इस प्रकार कुल 377 बालिकाओं का चयन स्तरीकृत नमूना पद्धति (Stratified Sampling Method) और सरल यादृच्छिक नमूना विधि (Simple Random Sampling) विधि द्वारा किया गया। अध्ययन हेतु द्वितीयक आंकड़ों को, प्रत्यक्ष रूप से विद्यालयीय अभिलेखों से प्राप्त किए गए। सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु Group Statistics, Levene's Test for equality of variances, स्वतंत्र नमूना टी–परीक्षण (Independent Samplet - test) का प्रयोग किया गया। प्राप्त परिणामों से ज्ञात हुआ यद्यपि, ग्रामीण

बालिकाओं की उपलब्धि स्कोर का औसत अंक शहरी बालिकाओं की अपेक्षा अधिक पाया गया परन्तु सांख्यिकीय महत्व (Statistical Significance) की दृष्टि से Sig. (2 tailed) =.081 प्राप्त हुआ, जो 0.05 से अधिक था जिसने इस बात की पुष्टि किया, कि शहरी एवं ग्रामीण बालिकाओं की औसत शैक्षिक उपलब्धि में कोई सांख्यिकीय रूप से सार्थक अंतर नहीं था क्योंकि (p = 0-081 > 0-05)। अतः निष्कर्ष रूप में कहा गया कि बालिका शिक्षा प्रोत्साहन योजनाओं का प्रभाव दोनों क्षेत्रों की छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर समान रूप से था।

मुख्य शब्द

बालिका शिक्षा, शैक्षिक उपलब्धि, प्रोत्साहन योजनाएँ, निःशुल्क गणवेश वितरण योजना, निःशुल्क पाठ्यपुस्तक योजना, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र.

प्रस्तावना

भारत में बालिका शिक्षा सदैव राष्ट्रीय विकास का एक प्रमुख आधार रही है। सरकार द्वारा समय–समय पर विभिन्न योजनाएँ जैसे, निःशुल्क गणवेश वितरण योजना, निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण योजना, साइकिल योजना, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय योजना, निःशुल्क साइकिल वितरण योजना, छात्रवृद्धि योजना, मिड–डे मिल योजना आदि लागू की गई हैं, जिनका उद्देश्य बालिकाओं को विद्यालय आने के लिए प्रोत्साहित करना और उनकी शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ाना है। ग्रामीण क्षेत्रों में इन योजनाओं का प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक देखा गया है, जबकि शहरी क्षेत्रों में बालिकाएँ पहले से ही अधिक शिक्षित वातावरण में अध्ययनरत हैं। अतः यह जानना आवश्यक है कि क्या वास्तव में इन प्रोत्साहन योजनाओं का शैक्षिक उपलब्धि पर कोई प्रभाव पड़ता है या नहीं। इसी उद्देश्य से वर्तमान अध्ययन ग्वालियर जिले के समस्त विकासखण्डों के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों की बालिकाओं पर केंद्रित है।

शोध समस्या

शहरी एवं ग्रामीण बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि पर, बालिका शिक्षा प्रोत्साहन योजनाओं के प्रभाव का मूल्यांकन करना इस शोध का प्रमुख उद्देश्य है। वर्तमान में राज्य शासन द्वारा संचालित निःशुल्क गणवेश वितरण योजना एवं निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण योजना सभी विकासखण्डों में लागू हैं, परंतु इन योजनाओं का वास्तविक प्रभाव शहरी एवं ग्रामीण बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि पर कितना है . यह स्पष्ट नहीं है। अतः यह अध्ययन ग्वालियर जिले के समस्त विकासखण्डों (जैसे मुरार, डबरा, भितरवार, घाटीगांव) के संदर्भ में किया गया है, ताकि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों की छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर, योजनाओं के प्रभाव की तुलनात्मक स्थिति का विश्लेषण किया जा सके।

उद्देश्य

1. ग्वालियर जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के शासकीय माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करना।
2. बालिका शिक्षा प्रोत्साहन योजनाओं (निःशुल्क गणवेश एवं निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण) के प्रभाव का विश्लेषण करना।
3. शहरी एवं ग्रामीण बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि में अंतर का सांख्यिकीय परीक्षण करना।

परिकल्पना

$\mathbf{H_{01}}$ शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के शासकीय माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि पर बालिका शिक्षा प्रोत्साहन योजनाओं का कोई सार्थक प्रभाव नहीं है।

शोध प्रविधि

अनुसंधान विधि: शोध अध्ययन वर्णनात्मक सर्वेक्षण और तुलनात्मक विधि (Descriptive Survey and

conprative Method) पर आधारित है

समग्र: शोध अध्ययन में ग्वालियर जिले के समस्त विकासखण्डों के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के शासकीय माध्यमिक विद्यालय की कक्षा 8 वीं में अध्ययनरत् समस्त बालिकाओं को जनसंख्या का आधार माना गया हैं।

न्यादर्श एवं न्यादर्श चयन: अध्ययन हेतु चयनित शासकीय माध्यमिक विद्यालयों (माध्यमिक शिक्षा मंडल (MPBSE), भोपाल से संबद्ध, की कक्षा 8 वीं में अध्ययनरत् बालिकाओं को लिया गया।

इस प्रकार शहरी क्षेत्र की बालिकाएँ = 187 तथा ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाएँ = 190, (कुल न्यादर्श = 377) बालिकाएं। न्यादर्श चयन हेतु संभाव्य प्रतिदर्श विधि (probability sampling method) की स्तरीकृत नमूना प्रविधि (Stratified Sampling technique) एवं सरल यादृच्छिक नमूना प्रविधि (Simple Random Sampling technique) अपनाई है।

शोध उपकरण: शैक्षिक उपलब्धि मापन हेतु, चयनित बालिकाओं के वर्तमान और पिछले दो वर्षों के वार्षिक परीक्षा प्राप्तांको का माध्य।

परिसीमांकन: वर्तमान शोधकार्य ग्वालियर जिले के समस्त विकासखंड के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के शासकीय माध्यमिक विद्यालय की कक्षा 8 में अध्यनरत् बालिकाओं तक परिसीमित किया गया है

सांख्यिकीय विश्लेषण

संकलित आंकड़ों का सांख्यिकी विश्लेषण एवं व्याख्या करने हेतु:

1. Group statistics में औसत (Mean), मानक विचलन (Standard Deviation)।
2. Levene's Test for equality of variance.
3. समूहों की बीच सार्थक औसत अंतर की जाँच के लिए स्वतंत्र नमूना t–परीक्षण (Independent Sample t-test) 2 tailed Test.

डेटा विश्लेषण

शून्य परिकल्पना (H_{01})

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के शासकीय माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि पर बालिका शिक्षा प्रोत्साहन योजनाओं का कोई सार्थक प्रभाव नहीं है।

Group Statistics

	छात्रा का क्षेत्र	N	Mean	Std. Deviation	Std. Error Mean
उपलब्धि स्कोर	शहरी	187	506.4225	119.78160	8.75930
	ग्रामीण	190	528.0316	119.78680	8.69025

Independent Simples Test

	Levene's Test for Equality of Variances	t-Test for Equality of Means								
		F	Sig.	t	df	sig.(2-tailed)	Mean Difference	Std. Error Difference	95% Confidence interval of the Difference	
उपलब्धि स्कोर	Equal Variances assumed	.065	.0800	-1.75	375	.081	-21.60	12.33	-45.87	2.65
	Equal Varinces not assumed			-1.75	374.90	.081	-21.60	12.33	-45.87	2.65

शहरी बालिकाओं का औसत उपलब्धि स्कोर (achievement score) 506.42 एवं ग्रामीण बालिकाओं का औसत उपलब्धि स्कोर (achievement score) 528.03 है दूसरे शब्दों में, 528.03 > 506.42, इस प्रकार दोनों समूह (शहरी एवं ग्रामीण) बालिकाओं की औसत उपलब्धि स्कोर में –21.60 औसत अंतर पाया गया।

Achievement score पर शहरी एवं ग्रामीण बालिकाओं के बीच variance की समानता को परखने हेतु Levene's for equality of variance किया गया जिसमें परिणाम से ज्ञात हुआ कि Levene's टेस्ट का मान F(1,375) = 0.065 तथा Sig. p value= 0.800 प्राप्त हुआ, चूंकि p value= 0.800 > 0.05 अतः दोनों समूह (शहरी एवं ग्रामीण) की variance को समान (equal variance assumed) माना गया। अतः स्वतंत्र नमूना टी–परीक्षण (Independent Sample t-test) उपयुक्त।

इसके पश्चात् स्वतंत्र नमूना टी–परीक्षण (Independent Sample t-test) का प्रयोग किया गया। परिणामों से इस बात की पुष्टि हुई कि शहरी बालिकाओं (M= 506.42, SD=119.78, N=187) और ग्रामीण बालिकाओं (M=528.03, SD=119.79, N=190) के औसत उपलब्धि स्कोर में जो अंतर पाया गया, वह सांख्यिकी दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण या सार्थक (stastistically significant) नहीं है।

क्योंकि, यहां

t= -1.75, df= 375, Sig. (2-tailed) p= 0.081, Mean Dffierence = -21.60

चूंकि p = 0.081 > 0.05, –शून्य परिकल्पना (H_o) स्वीकृत की जाती हैं।

निष्कर्षः शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के शासकीय माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि पर बालिका शिक्षा प्रोत्साहन योजनाओं का कोई सांख्यिकी दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण या सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया। दूसरे शब्दों में, शहरी और ग्रामीण बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि का औसत अंतर सांख्यिकी रूप से महत्वपूर्ण/सार्थक (stastistically significant) नहीं पाया गया।

परिणाम एवं व्याख्या

1. ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं का औसत शैक्षिक उपलब्धि स्कोर शहरी बालिकाओं से थोड़ा अधिक पाया गया।
2. यह अंतर सांख्यिकीय रूप से सार्थक या महत्वपूर्ण नहीं है।

   क्योंकि (p= 0.081 > 0.05) H_o accept

   एवं H_1 reject
3. बालिका शिक्षा प्रोत्साहन योजनाएँ शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में समान रूप से प्रभावी हैं। दूसरे शब्दों में, शहरी और ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि पर बालिका शिक्षा प्रोत्साहन योजनाओं का एक समान प्रभाव पाया गया।

निष्कर्ष

अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ कि सामान्य निःशुल्क गणवेश वितरण योजना एवं निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण योजना जैसी योजनाओं ने बालिकाओं के विद्यालय में बने रहने (शाला नामांकन दर में बढ़ोतरी और शाला त्यागी प्रवृति/ड्रॉपआउट) और उनकी उपलब्धि में सहायक भूमिका तो निभाई है, परंतु सांख्यिकीय सबूतों (statistically evidence) के आधार पर पुष्टि की गई हैं कि, शहरी एवं ग्रामीण बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि में कोई विशेष सांख्यिकीय अंतर नहीं पाया गया अर्थात् योजनाओं का प्रभाव दोनों क्षेत्रों में एक समान और समान स्तर का है।

शैक्षिक निहितार्थ

1. योजनाओं के क्रियान्वयन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए विद्यालय स्तर पर निगरानी आवश्यक है।
2. इन योजनाओं के साथ– साथ केंद्र और राज्य स्तरीय अन्य प्रोत्साहन योजनाओं से लाभान्वित करके

बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि के स्तर में सुधार किया जा सकता हैं।

3. शिक्षण संसाधनों की समान उपलब्धता से ग्रामीण बालिकाओं की उपलब्धि और बढ़ाई जा सकती है।
4. समाज और अभिभावकों को बालिका शिक्षा के प्रति जागरूक करके एवं विद्यालयीन वातावरण में सुधार करके योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता हैं।

सुझाव

1. ग्रामीण विद्यालयों में शिक्षण संसाधनों की गुणवत्ता में सुधार किया जाए।
2. योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता लाई जाए जिससे माध्यमिक स्तर की सभी बालिकाओं को समान रूप से लाभ मिल सके।
3. योजनाओं के लाभार्थियों की निगरानी पारदर्शी तरीके से हो।
4. बालिकाओं की शाला नामांकन दर में बढ़ोतरी और शाला त्यागी/ड्रॉपआउट में कमी के साथ विद्यालय में नियमित रूप से उपस्थित होकर, अध्ययन में रुचि और उपस्थिति बढ़ाने हेतु अतिरिक्त प्रोत्साहन योजनाएँ चलाई जाएँ।

संदर्भ सूची

1. Kothari, C.R. (2014) *Research Methodology: Methods and Techniques,* New Age International Publishers, Daryaganj, New Delhi.
2. Best, J.W., & Kahn, J.V. (2016) *Research in Education,* Pearson Education, London.
3. Sharma, R.A. (2019) *Educational Research and Statistics,* R. Lall Book Depot, Meerut.
4. Government of Madhya Pradesh (2023) Balika Shiksha Protsahan Yojana, Guidelines, School Education Department, Bhopal.
5. NCERT (2022) Annual Report on Girls' Education in India, New Delhi.

****